

डॉ. गैरी मीडर्स, 1 कुरिन्थियों, व्याख्यान 14, कुछ मौखिक रिपोर्टों/अफवाहों पर पॉल की प्रतिक्रिया, 1 कुरिन्थियों 5:1-6:20

© 2024 गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह व्याख्यान 14 है, कुछ मौखिक रिपोर्टों/अफवाहों पर पॉल की प्रतिक्रिया, 1 कुरिन्थियों 5:1-6:20।

1 कुरिन्थियों के माध्यम से हमारी यात्रा में व्याख्यान संख्या 14 में आपका स्वागत है।

हमने अध्याय 1 से 4 तक का अध्ययन किया है, और अगले कुछ सत्रों में, हम अध्याय 5 और 6 पर विचार करेंगे। जैसा कि आपको हमारे परिचय से याद होगा, 1 से 4 अध्याय 1:11 पर आधारित थे, जो क्लो के घराने से पॉल को चल रहे मुद्दों के बारे में एक रिपोर्ट थी। अध्याय 5 और 6 अध्याय 5:1 पर आधारित हैं कि कुरिन्थ में व्यवहार के बारे में कुछ अफवाहें हैं जो विशेष रूप से कामुकता और न्यायालयों से संबंधित हैं। बाद में, अध्याय 7:1 और उसके बाद, पॉल उन बातों का जवाब देता है जो कुरिन्थियों द्वारा उसे लिखी गई थीं।

आज आपके पास नोटपैड नंबर 8 उपलब्ध होना चाहिए। और हम आज अध्याय 5 पर विचार करेंगे, उम्मीद है कि पूरा अध्याय पढ़ लेंगे। हम देखेंगे कि आगे क्या होता है।

अध्याय 5 और 6 के सारांश के संदर्भ में, जैसा कि हमने उल्लेख किया है, एक इकाई है जो 5:1 में उल्लिखित मौखिक रिपोर्टों का जवाब देती है। जैसा कि मैंने आपको पहले भी बताया है, अनुभागों की शुरुआत में गारलैंड के सारांश को पढ़ना हमेशा अच्छा होता है। आने वाले अध्यायों में क्या चल रहा है, इसका उनके पास आपके लिए एक बढ़िया संश्लेषण है। यौन मुद्दों के संबंध में, विशेष रूप से अध्याय 5 के पहले भाग में, बाइबल के बाहर, ऐसे संदर्भ हैं जो बताते हैं कि अनाचार और यही वह है जिसके बारे में हम 1 कुरिन्थियों 5 में बात कर रहे हैं, कि ग्रीको-रोमन दुनिया में अनाचार स्वीकार्य नहीं था।

प्लूटार्क, जो एक प्रमुख लेखक थे, ने मोरालिया नामक एक लेख लिखा है, और उन्होंने अनाचार को एक अधर्मी कृत्य के रूप में निंदा की है। जोसेफस, जो लगभग 37 से 100 तक जीवित रहे, जब आप न्यू टेस्टामेंट का अध्ययन करते हैं तो एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। जोसेफस यीशु और प्रेरितों के बाद के समकालीन थे।

जब वह बच्चा था, 37 में पैदा हुआ, 50 के दशक तक, जब प्रेरित सक्रिय थे, तो जोसेफस भी था। जोसेफस, हम जोसेफस के बारे में वह सब कुछ नहीं जानते जो हम जानना चाहते हैं। वह एक सैन्य व्यक्ति हो सकता है।

वह राजनीतिज्ञ हो सकते थे। जो भी हो, उनके पास ताकत थी। 66 से 70 के बीच महायुद्ध के समय वह बहुत सक्रिय थे।

हम इस बारे में विस्तार से नहीं बता सकते। उनके देशवासियों को रोम के साथ उनके संबंधों का तरीका पसंद नहीं आया। रोम ने उन्हें अपना संरक्षक बना लिया और वापस रोम ले गया, जहाँ उन्होंने यहूदी लोगों को दुनिया के सामने पेश करने के लिए कई रचनाएँ लिखीं।

वह बहुत यहूदी था। वह कभी ईसाई नहीं था, लेकिन उसे अपनी विरासत पर बहुत गर्व था। यहाँ जोसेफस ने एंटीक्विटीज़ में क्या कहा है।

पृष्ठ 66 पर, आप इसे देखेंगे, और मैं इसे आपको पढ़कर सुनाने जा रहा हूँ। जहाँ तक व्यभिचार का सवाल है, मूसा ने इसे पूरी तरह से मना किया, इसे एक सुखद बात मानते हुए कि पुरुषों को विवाह के मामलों में बुद्धिमान होना चाहिए और यह शहरों और परिवारों दोनों के लिए लाभदायक है कि बच्चों को सच्चा माना जाए। वैसे, वह कहता है कि वह मूसा का प्रतिनिधित्व कर रहा है, और काफी हद तक, वह है, लेकिन जब वह शहरों और परिवारों दोनों के लिए कहता है, तो वह यहाँ थोड़ा सा रहस्य उजागर कर देता है।

जोसेफस एक ग्रीको-रोमन थे। वे इन रोमन उपनिवेशों के समय में बहुत सक्रिय थे, और हम पहले ही इस मुद्दे पर बात कर चुके हैं कि शहर रोमन उपनिवेशों का केंद्र क्यों है। ब्रूस विंटर की पुस्तक, सीक द वेलफेयर ऑफ द सिटी, इस तथ्य की एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है कि उनकी संस्कृति, उनके सांस्कृतिक मानदंड, शहरों और उन शहरों के भीतर लोगों की संरचनाओं के इर्द-गिर्द केंद्रित थे।

इसलिए, जब जोसेफस ऐसा कहते हैं तो वे अपने समय की कुछ झलकियाँ दिखाते हैं। बच्चों को जिन शहरों और परिवारों के बारे में पता होना चाहिए, वे असली हैं। वे पुरुषों द्वारा अपनी माँ के साथ झूठ बोलना सबसे बड़ा अपराध मानते थे और पिता की पत्नी के साथ झूठ बोलना भी सबसे बड़ा अपराध था।

अब, जोसेफस निश्चित रूप से 1 कुरिन्थियों 5 के बारे में कुछ भी जानने से पहले ही यह सब कह रहा था, अगर उसे कभी इसके बारे में कुछ पता था। और चाची और बहनों और बेटों की पत्नियों के साथ, जोसेफस के अनुसार, सभी घृणित दुष्टता के उदाहरण हैं। इसका बहुत कुछ यौन क्रिया से जुड़ा है, जो निश्चित रूप से वीर्य द्रवों का साझाकरण था, और यह अनाचार था कि उन द्रवों को परिवार के सदस्यों के बीच साझा किया जाता था।

यहूदी धर्म में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। अगर आपने कभी सोचा है कि बाइबल के कथन के अनुसार दो लोग एक शरीर क्यों बन जाते हैं। जब लोग शादी करते हैं, तो वे एक शरीर बन जाते हैं।

खैर, उस संदर्भ में एक शरीर एक रिश्तेदार होने का रूपक है। वे रिश्तेदार हैं। जब आप शादी करते हैं, तो आप अपने जीवनसाथी के साथ एक रिश्तेदारी बनाते हैं, और यह बाइबल में बहुत सुरक्षित है।

जोसेफस ने एक आदमी को भी मना किया, या वह मूसा को मूसा की शिक्षा का प्रतिनिधित्व करते हुए कहता है, एक आदमी को अपनी पत्नी के साथ सोने से मना किया जब वह अपने प्राकृतिक शुद्धिकरण से अपवित्र हो गई थी। एक बार फिर, वह दावा कर रहा है कि मूसा ने ये बातें कही हैं, और कुछ बातें मूसा ने कही होंगी, कुछ बातें उसने नहीं कही होंगी। जोसेफस अपने समय और स्थान पर भी विचार कर रहा है।

और जंगली जानवरों के पास न जाना, न ही पशु-मैथुन, न ही किसी पुरुष के साथ संबंध बनाना, न ही समलैंगिकता, जो सुंदरता के कारण अवैध सुखों का शिकार करना था। जो लोग इस तरह के अहंकारी व्यवहार के दोषी थे, उनके लिए उन्होंने, फिर से मूसा का प्रतिनिधित्व करते हुए, लेकिन वास्तव में अपने समय की यहूदी शिक्षा का प्रतिनिधित्व करते हुए, मृत्यु को उनकी सजा के रूप में निर्धारित किया। इसलिए, बाइबल के अंदर और बाहर दोनों जगह, अनाचार स्वीकार्य नहीं है।

विंटर ने इस संबंध में एक बार फिर से पुनर्निर्माण किया, और उन्होंने उस अनाचारी व्यक्ति को उच्च सामाजिक स्थिति वाला बताया, और कहा कि उसे सार्वजनिक रूप से उजागर करना रोमन सामाजिक नैतिकता का उल्लंघन होगा और साथ ही चर्च के सदस्यों के लिए संभावित नकारात्मक परिणाम होंगे। दूसरे शब्दों में, अगर हम अध्याय 1 से 4 के बारे में सोचते हैं, जहाँ हमारे पास यह सामाजिक स्थिति का मुद्दा चल रहा है, और अगर यह व्यक्ति जो मूल रूप से अपने पिता की पत्नी के साथ रहने पर गर्व करता था, जो उसकी सौतेली माँ रही होगी, और अगर वह शहर के भीतर एक प्रतिष्ठा और शक्ति वाला व्यक्ति था, तो इस व्यवहार पर उसका हाथ होने से उस स्थानीय चर्च को आर्थिक, राजनीतिक और अन्य तरीकों से खतरा हो सकता था। और इसलिए, इसका निहितार्थ यह है कि, क्योंकि उन्होंने उसे कालीन पर नहीं बुलाया था, शायद वे उसकी स्थिति का पक्ष ले रहे थे और ऐसा करके बाइबिल की नैतिकता का उल्लंघन कर रहे थे।

तो, माफ़ कीजिए, मुझे इस कैमरे की जांच करनी है। मैंने कुछ सुना है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि हम अभी भी यहाँ टैपिंग कर रहे हैं और कट नहीं गया है, और मुझे इसे फिर से करना होगा।

सब कुछ ठीक लग रहा है। मैं यह काम अकेले ही कर रहा हूँ। यहाँ मेरा कोई सहायक नहीं है।

और इसलिए, परिणामस्वरूप, कभी-कभी मुझे ऐसा करना पड़ सकता है। मुझे एक घंटे या उससे ज़्यादा समय तक बोलना पसंद नहीं है और फिर मुझे एहसास होता है कि मुझे यह सब फिर से करना होगा। मुझे नहीं लगता कि मैं याद रख सकता हूँ कि मैं किस बारे में बात कर रहा था।

ठीक है। दूसरा, पृष्ठ 66, नीचे दो तिहाई। इस आदमी की स्थिति का एक संभावित आयाम एक परोपकारी व्यक्ति का हो सकता है।

परोपकारी एक तकनीकी शब्द है जिसका इस्तेमाल इस अवधि के दौरान किसी ऐसे व्यक्ति के लिए किया जाता था जो किसी गिल्ड या समूह का समर्थन करता था, और चर्च के अपने परोपकारी लोग होते थे। क्लोए संभवतः चर्च का परोपकारी था, और ये गृह चर्च अक्सर ऐसे लोगों से संबंधित होते थे जिनके पास साधन होते थे और जो पूजा के लिए इकट्ठा होने वालों के लिए ऐसा

कर सकते थे। यदि ऐसा है, तो परोपकारी को अपमानित करना समुदाय में चर्च के प्रभाव को कमज़ोर करेगा और शायद शत्रुता को भी आमंत्रित करेगा।

अब, जब हम अपने समय और समय में इस बारे में सोचते हैं, तो हम कह सकते हैं, ठीक है, यह मूर्खतापूर्ण है। उन्हें जो भी सही है उसके लिए खड़े होने की ज़रूरत है। लेकिन आपको इस तथ्य पर फिर से विचार करना होगा कि उस संस्कृति को स्थिति द्वारा नियंत्रित किया जाता था, स्थिति वाले लोगों द्वारा नियंत्रित किया जाता था, स्थिति वाले लोगों द्वारा नियंत्रित किया जाता था जिनके पास शहर में शक्ति थी, और वे इसे चुनौती देने के आदी नहीं थे।

वास्तव में, वे जीवन के बारे में मार्गदर्शन के लिए प्रतिष्ठित लोगों की बात सुनने के आदी थे। इसलिए, ये नए ईसाई बहुत मुश्किल स्थिति में थे, अगर वास्तव में, जो व्यक्ति यह पाप कर रहा था वह प्रतिष्ठित व्यक्ति या परोपकारी था। ठीक है, अब हम उसमें से कुछ पर वापस आएंगे, लेकिन आइए संरचना के बारे में थोड़ा सोचें।

एक बार फिर, मुझे टैल्बर्ट को पढ़ना पसंद है। मैं हमेशा यह जानने के लिए उसे पढ़ना पसंद करता हूँ कि वह संरचना को कैसे देखता है। मैं हमेशा इसे स्वीकार नहीं करता, और जैसा कि आप उसके काम को पढ़ने पर पाएंगे, टैल्बर्ट चियास्म को देखने के लिए बहुत प्रवृत्त है।

दरअसल, आपको अपने नोट्स में कुछ वर्तनी संबंधी गलतियाँ सुधारने की ज़रूरत है। इसमें चियास्म लिखा हो सकता है। M से पहले। हटा दें। यह चियास्म है।

इसमें कोई 'मैं' नहीं है। यह 'एसएम' है। तो, आपके पास 'चियास्म', 'चियास्मस', 'चियास्टिक' है। यह एक खास तरह की संरचना है।

और अध्याय 5 में A यौन समस्याएँ हैं। अध्याय 6 में B मुकदमे हैं। और फिर A प्राइम, वह A है जिसके पीछे छोटा तारा है, अध्याय 6 के अंतिम भाग में व्यभिचार के नाम पर यौन समस्याएँ हैं। तो, यह एक चियास्म हो सकता है। चियास्म केवल तब होता है जब आप शुरू करते हैं, आपके पास एक काज होता है, और आप वहीं वापस आते हैं जहाँ से आपने शुरू किया था। और यह बहुत संक्षिप्त होगा।

यह संभव है, लेकिन कभी-कभी वह उन्हें हर जगह देखता है। हालाँकि, प्राचीन दुनिया में चियास्म एक बहुत ही आम साहित्यिक उपकरण था। यह मूसा द्वारा पेंटाटेच लिखने के समय से ही चला आ रहा है।

उत्पत्ति में, जहाँ हमें बाढ़ की कथा मिलती है, बल्कि एक लंबी कथा, पूरी बाढ़ की कथा एक विरूपता है। इस पर वेनहम, वेनहम, वेनहम द्वारा वेटस में एक लेख है टेस्टामेंटम, मुझे लगता है कि यह है। लेकिन अगर आप वेनहम को खोजने जाएं, तो वहाँ एक गॉर्डन है, और मुझे लगता है कि यह गॉर्डन था। एक गॉर्डन और एक जॉन है।

लेकिन उनके पास बाढ़ की कहानी पर एक लेख है। वह आपको एक चार्ट दिखाता है कि कैसे पूरी बाढ़ की कहानी में ये अंत बिंदु हैं, और फिर उस तरह की संरचना में, प्रत्येक बिंदु दूसरे बिंदु

का उत्तर देता है। अनुमान लगाइए कि केंद्र क्या है? बाढ़ की कहानी का केंद्र वह वाक्यांश है, जब परमेश्वर अपने न्याय में बाढ़ का पूर्वाभ्यास कर रहा है और दुनिया का उस तरह से न्याय नहीं करने जा रहा है, बाइबल कहती है, परमेश्वर ने याद रखा।

यह बाढ़ की कहानी का केंद्र बिंदु है। इसलिए, प्राचीन साहित्यिक सेटिंग्स में चियास्म बहुत आम हैं। जब आप 1 कुरिन्थियों 5 और 6 को पढ़ते हैं, तो ध्यान दें कि इन अध्यायों में समुदाय पर कितना ज़ोर दिया गया है।

और फिर भी, हमारे पास ऐसे व्यक्ति हैं जो इन अफवाहों और इन समस्याओं को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारे पास एक प्रमुख व्यक्ति और उसकी सौतेली माँ है। हमारे पास अदालती मामलों की समस्याएँ हैं, जिनकी पहचान विशेष रूप से नहीं की जाती है, बल्कि केवल सामान्य रूप से की जाती है।

क्योंकि 5 और 6 इन समस्याओं को सामुदायिक दृष्टिकोण से देख रहे हैं। अब यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह समुदाय ही था, न कि केवल व्यक्ति, जो जोखिम पैदा कर रहा था क्योंकि समुदाय विचलित व्यवहार को सहन कर रहा था।

पॉल कहते हैं कि पुराने खमीर को निकाल दें। ताकि समुदाय शुद्ध हो सके। यह पुराने नियम से ली गई कल्पना है।

समुदाय पवित्र स्थान का मंदिर है। जब यह बात होती है, क्या आपको नहीं पता कि आपका शरीर भगवान का मंदिर है, कुछ ग्रंथ व्यक्तिगत रूप से इस बारे में बात करते हैं। हम भगवान का मंदिर हैं।

कुछ ग्रंथों में बहुवचन का प्रयोग किया गया है, जिसका अर्थ है कि चर्च ईश्वर का मंदिर है। और इसलिए, तथ्य यह है कि चर्च कोई इमारत नहीं है। यह लोग हैं। यह लोग हैं।

परिणामस्वरूप, अध्याय 5 और 6 में जो कुछ हो रहा है, उसके सामुदायिक पहलू को देखें, न कि केवल व्यक्तियों के बारे में सोचें। हम इसे बार-बार देखेंगे। पृष्ठ 67 पर, शीर्ष पर, विषयगत सामंजस्य है।

संघर्ष, गर्व और दुःख से भरा समुदाय यौन और कानूनी मामलों के अध्ययनों से प्रमाणित होता है जो 5 और 6 में आते हैं। पॉल 6.5 में शर्म शब्द का उपयोग करता है। यह एक ऐसी संस्कृति है जिसमें शर्म, खासकर अगर आपने अपने अपराध को शर्मिंदा किया, या आपने अपनी स्थिति को शर्मिंदा किया, या जो भी हो, एक बहुत ही मजबूत नैतिक और नैतिक शब्द था। और इसलिए, पॉल उस शब्द से खेलता है।

वह उनकी शर्म की अपील करता है, जो उनकी संस्कृति में उनके आत्म-दृष्टिकोण और उनकी प्रतिष्ठा को खतरे में डाल सकती है। वह 5:9-11 और 6:9-10 में बुरे लोगों की सूची का उपयोग करता है। बुरे लोगों की सूची, मैंने उद्धरण में इसलिए रखा है, क्योंकि सद्गुण और बुरे लोगों की सूची नामक एक बहुत बड़ा साहित्यिक उपकरण है जो नए नियम से पहले मौजूद था और नए

नियम के भीतर मौजूद था। मेरी वेबसाइट gometers.com पर इस पर एक व्याख्यान है, जो शिक्षण और आत्मा के फल के अंतर्गत है।

वहाँ कुछ संक्षिप्त वीडियो हैं, लेकिन कुछ एक घंटे के व्याख्यान हैं। उन व्याख्यानों में, मैं सद्गुण और दुर्गुणों की सूची के बारे में बात करता हूँ क्योंकि आत्मा का फल सद्गुणों की सूची है। शरीर के काम दुर्गुणों की सूची है।

बाइबल के बाहर और बाइबल के अंदर, हमारे पास अच्छे और बुरे के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ये गुण और दोष सूचियाँ हैं। तो यह कुछ ऐसा है जिस पर आपको नज़र रखनी चाहिए। अब, जब हम इस अध्याय को देखते हैं, तो इस संक्षिप्त परिचय के बाद, आप देखेंगे कि यह पृष्ठ 67.a पर है, पॉल निंदनीय नैतिकता से संबंधित रिपोर्ट का जवाब देता है।

यह अध्याय 5 है। निंदनीय नैतिकता। सबसे पहले, वह श्लोक 1-8 में अनाचार के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देता है। ये बहुत ही भरी हुई आयतें हैं।

वह पद 1 में अनाचार के तथ्य की ओर इशारा करता है, और फिर हम देखेंगे कि वह पद 2-8 में पश्चाताप की कमी पर विलाप करता है। तो, 8 पदों के इस बड़े पैराग्राफ के उत्तरार्द्ध में अनाचार के संबंध में कुरिन्थियों की ओर से अनाचार का तथ्य और पश्चाताप की कमी। जैसा कि आप में से रिपोर्ट किया गया है, 5:1 में जो कहा गया है, वह बताता है कि पॉल केवल एक आदमी के पाप का जवाब नहीं दे रहा था, भले ही वह इसके लिए अवसर था।

लेकिन इसका संबंध कुरिन्थ के चर्च के पाप से था। एक निकाय के रूप में चर्च अपने सदस्यों के लिए जिम्मेदार है। अगर एक सदस्य भी नियम से भटक जाता है, तो इसका असर पूरे निकाय पर पड़ता है।

यह उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक की पूरी बाइबिल प्रस्तुति है। आप कभी भी अकेले उस महान चरवाहे के अमेरिकी मुहावरे का उपयोग करने वाले नहीं हैं जिसने मुखौटा पहना था और टोंटो था। आप कभी भी ईश्वर के काम में अकेले नहीं हैं।

यह हमेशा, हमेशा, हमेशा एक समुदाय है। जो स्थिति चल रही थी। खैर, आइए यहाँ पाठ देखें।

अध्याय 5, श्लोक 1 में हम देखते हैं कि वास्तव में यह बताया गया है कि तुम्हारे बीच यौन नैतिकता है। तुम्हारे बीच यौन नैतिकता है - पहला बुलेट पॉइंट।

वर्तमान क्रियाविशेषण has, और यह यहाँ दूसरा भाग है, कि एक आदमी के पास उसके पिता की पत्नी है। NIV कहता है कि वह अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है, जो एक अच्छा गतिशील समतुल्य है क्योंकि यह शब्द को स्पष्ट करता है। किंग जेम्स कहते हैं कि उसके पास उसके पिता की पत्नी है।

औपचारिक लोग ऐसा कहेंगे। लेकिन हम जानते हैं कि इसका क्या मतलब है। यह कहने का एक नरम तरीका है।

लेकिन यह वर्तमान अनिवार्यता में है, जिसका अर्थ है कि यह कुछ ऐसा है जो चल रहा है। यह सिर्फ एक घटना नहीं है जो घटित हुई है, बल्कि यह एक जारी मुद्दा है - सिर्फ एक कार्य नहीं बल्कि एक प्रक्रिया है।

आप लेविटस देख सकते हैं, आप व्यवस्थाविवरण देख सकते हैं, जो इसके निषेध के बारे में बात करता है। हम खुद से कुछ सवाल पूछ सकते हैं। क्या विवाह ने चर्च को कार्य न करने का बहाना प्रदान किया? दूसरे शब्दों में, यदि इस व्यक्ति ने अपनी सौतेली माँ से विवाह किया।

अब हम यह भी नहीं जानते कि उनके पिता जीवित हैं या मर चुके हैं, देखिए। इस बारे में कोई विवरण नहीं है। इसलिए, इस व्यक्ति के बारे में एक और पहलू है जो सामने नहीं लाया गया है।

यह बहुत स्पष्ट है कि पॉल व्यक्ति की जटिलता पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं। वह इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं कि समुदाय इससे कैसे निपटता है। लेकिन तथ्य यह है कि शायद यह सिर्फ एक परिदृश्य है।

अगर इस व्यक्ति ने अपनी सौतेली माँ से विवाह किया है। और मान लें, सिर्फ तर्क के लिए, कि उसका पिता वास्तव में अभी भी जीवित है। तो यह अनाचार होगा।

पहली सदी की सोच में अगर पिता मर भी गया हो तो भी यह अनाचार है। पुराने नियम के अनुसार इस पर विचार किया जाता है। लेकिन हमारे यहाँ अनाचार चल रहा है।

लेकिन कुरिन्थ में चर्च ने सोचा होगा, ठीक है। अगर वह शादीशुदा है, तो सब ठीक ही होगा। अब हम क्या कह सकते हैं? यह खत्म हो चुका है।

खैर, मुझे नहीं लगता कि पॉल ने इसे इस तरह से देखा था। या दूसरा सवाल यह हो सकता है। क्या चर्च की कार्रवाई सामाजिक संरचनाओं से बाधित थी? स्थिति का यह मुद्दा पहले ही उल्लेख किया जा चुका है।

इस आदमी के लिए विकल्प यह है कि वह नियमित रूप से साथ रह रहा है, और उसके पास वह है। या फिर वह विवाहित है। पाठ उतना स्पष्ट नहीं है जितना हम चाहते हैं। ऐसा लगता है कि विवाहित होना तराजू को थोड़ा झुका देता है। और अधिकांश टिप्पणीकारों को लगता है कि वह विवाहित था, जिससे चर्च के लिए उसे कम से कम सांस्कृतिक स्तर पर चुनौती देना अधिक कठिन हो जाएगा। आइए हम अपने भले के लिए यहाँ बहुत अधिक अहंकारी न बनें।

याद रखें, ये लोग बिलकुल नए ईसाई थे और ऐसी दुनिया में थे जहाँ ईसाई धर्म कभी अस्तित्व में नहीं था। जब तक वे इसके संपर्क में नहीं आए, और उन्हें अपनी पृष्ठभूमि से सभी तरह के प्रभाव मिले।

इन लोगों को मुश्किल समय से गुजरना पड़ रहा था। लेकिन हम शायद कुछ मायनों में हमसे आगे हैं। क्योंकि वे कम से कम इससे जूझ तो रहे थे।

तीसरी गोली। यह प्रथा बुतपरस्तों से भी बदतर है। यहूदी कानून कहता है कि यह और भी बदतर है।

और ऐसा ही बाहरी स्रोत भी करते हैं। रिचर्ड हेस, जो वैसे, 1 कुरिन्थियों पर एक और अच्छे टिप्पणीकार हैं। यह एक संक्षिप्त टिप्पणी है जो अच्छी है क्योंकि आप एक संश्लेषण प्राप्त कर सकते हैं।

मुझे हेस का लेखन पसंद है। वह एक बेहतरीन लेखक हैं। इस संबंध में वह सिसरो को उद्धृत करते हैं।

पृष्ठ 67 पर एक और उद्धरण है। और इस प्रकार, सास बिना किसी आशीर्वाद के दामाद से विवाह कर लेती है।

इस विवाह को मंजूरी देने वाला कोई नहीं था। और यह सब सामान्य आशंकाओं के बीच हुआ। ओह, उस महिला के पाप के बारे में सोचो।

अविश्वसनीय। ऐसा अनुभव किसी भी अनुभव में नहीं हुआ। सिर्फ़ इस एक घटना को छोड़कर।

सिसरो स्पष्ट रूप से अपने समय और स्थान में किसी चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं। यहाँ बहुत सारे रोचक विवरण हैं जिनके बारे में हम नहीं सोच सकते। लेकिन ध्यान दें कि यह कितना पितृसत्तात्मक है।

शर्म तो औरत को ही आनी चाहिए। लेकिन मर्दों के बारे में क्या? खैर, उन दिनों में मर्द बहुत सी चीज़ों से बच निकलते थे। और औरत को ही दोष दिया जाता था।

उसके दुष्ट जुनून के बारे में सोचो। बेलगाम। अदम्य।

यह सोचना कि वह डरी नहीं। अगर स्वर्ग के प्रतिशोध के आगे नहीं। जिसका लैटिन में अर्थ है देवताओं की शक्ति।

या पुरुषों के बीच का घोटाला। कम से कम रात से पहले ही शादी की मशालों के साथ। दुल्हन के कमरे की दहलीज।

उसकी बेटी का दुल्हन का बिस्तर। या फिर दीवारें भी, जो उस दूसरे मिलन की गवाह थीं। जुनून का पागलपन।

मैंने हर बाधा को तोड़ दिया और उसे ध्वस्त कर दिया। हवस ने शालीनता पर विजय प्राप्त कर ली। उच्छृंखलता ने विवेक पर विजय प्राप्त कर ली।

पागलपन की हद हो गई। वाह। सिसरो बहुत अच्छा उपदेशक था, है न? मेरा मतलब है, आप इसे ले सकते हैं और उपदेश दे सकते हैं।

इससे पहले कि आप बहुत ज़्यादा बहक जाएँ, आप अपना बैग पैक कर लें। हमें बहक जाना चाहिए। हमें अपने परिवेश में इस तरह के उपदेशों की और ज़रूरत है।

क्योंकि हम बाइबल की नैतिकता के बारे में ढीले हो जाते हैं, लेकिन यह शक्तिशाली है। सिसरो का लेखन। अब सिसरो एक वक्ता था। वह कुशल और प्रशिक्षित भी था। शब्दों का उपयोग करने और उन्हें शक्तिशाली बनाने में सक्षम होने में।

जब आप बाइबल के बारे में सार्वजनिक भाषण देते हैं। मुझे उम्मीद है कि आप इस सिद्धांत के बारे में सोचेंगे। शब्द ही आपका वाहन हैं।

आप जानते हैं कि आप सिर्फ़ स्क्रीन पर फ़िल्म नहीं बना रहे हैं। हॉलीवुड और अन्य प्रोडक्शन्स कितना पैसा खर्च करते हैं। सभी अद्भुत ग्राफ़िक्स के साथ लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए।

और पुनर्निर्माण जो वे इन दिनों कर सकते हैं। लेकिन जब कोई व्यक्ति यहोवा का प्रतिनिधित्व करने के लिए खड़ा होता है। ब्रह्मांड का सच्चा परमेश्वर।

हमारे पास सिर्फ़ हमारे शब्द हैं। बेहतर होगा कि हम बोलना सीखें। और अपने शब्दों का इस्तेमाल करें।

सिसरो ने ऐसा किया। हम इस मामले में कुछ सलाह ले सकते हैं। मुझे कई मौकों पर ऐसा करने का सौभाग्य मिला।

मैंने ब्रूस मेटज़गर के बारे में सुना और उनके साथ खाना भी खाया, जो प्रिंसटन में कई सालों तक ग्रीक और न्यू टेस्टामेंट के प्रोफेसर थे। एक अच्छे प्रेस्बिटेरियन। अच्छे रूढ़िवादी प्रेस्बिटेरियन विद्वान।

एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय यूनानी विद्वान। और उन्होंने एक बार इस बारे में बातचीत में विचार किया। उन्होंने कहा कि एक धर्मोपदेश में सही शब्द और गलत शब्द के बीच का चुनाव। यह एक पटाखे और डायनामाइट की छड़ी के बीच के अंतर जैसा है।

यहां तक कि अपने संवादात्मक भाषण में भी वह ऐसे शब्दों का प्रयोग करता था जो शक्तिशाली होते थे: जैसे पटाखा या डायनामाइट का डंडा।

सिसरो अपने शब्दों के संदर्भ में यहाँ कुछ बारूद फेंक रहा है। तो, संस्कृति ने 1 कुरिन्थियों 5 में जो कुछ हो रहा था उसे स्वीकार नहीं किया। और किसी कारण से, और यह अपने आप में एक और मुद्दा है।

इस चर्च के कुछ लोगों को लगता था कि वे कुछ ऐसा कर सकते हैं। जो उनकी अपनी संस्कृति भी उन्हें करने की अनुमति नहीं देती। और ऐसा करने के लिए उन्हें किसी तरह की स्वतंत्रता भी है।

पॉल कहते हैं, नहीं, ऐसा नहीं है। एक बार फिर सर्दी आ गई है। पृष्ठ 67 का निचला भाग।

व्यभिचार और अनाचार को रोमन आपराधिक कानून में शामिल किया गया था। अब, रोम एक मुकदमेबाज़ समाज था। यही कारण है कि रोम सिकंदर महान द्वारा जीती गई सभी चीज़ों को नियंत्रित करने में सक्षम था।

फिर, उसने अपने सेनापतियों और अपने बेटों को दे दिया। मुझे बेटे नहीं कहना चाहिए, लेकिन उसने अपने सेनापतियों को शासन करने के लिए दे दिया। और उन्होंने इसे बर्बाद कर दिया।

लेकिन रोम आगे बढ़ा और पूरी दुनिया में फैल गया। और उसने वह सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया जो सिकंदर ने जीता था। रोम ऐसा क्यों कर पाया? क्योंकि रोम संगठित था।

सिकंदर युद्ध जीतने और भूमि पर कब्ज़ा करने में माहिर था। लेकिन युद्ध के बाद उसकी देखभाल करने में वह उतना अच्छा नहीं था। लेकिन रोम ऐसा करने में माहिर था।

और इसलिए रोम आया और उसने इसका ख्याल रखा। रोम में एक जटिल कानूनी प्रणाली थी। और कानून के सभी प्रकार के स्तर थे।

अध्याय 6 में हम जिस कानून के बारे में बात करेंगे, वह शायद एक सिविल कानून न्यायालय जैसा है। यह कानून आपराधिक कानून है - रोमन साम्राज्य के भीतर अनाचार की बात।

उस साम्राज्य में भी यह आपराधिक कानून था। इसे बहुत गंभीर उल्लंघन माना जाता है। इसके लिए सज़ा की ज़रूरत होती है।

निर्वासन से लेकर मृत्यु तक कुछ भी। इसलिए, इस व्यक्ति से निपटने में चर्च अकेले नहीं था।

लेकिन जब व्यभिचार और अनाचार की बात आती थी, तब ऐसा नहीं किया गया था - जो कि रोमन समय-सीमा कानून था।

जो कि आमतौर पर 5 साल का होता था। लागू नहीं हुआ। उन्होंने इसे इतनी गंभीरता से लिया।

अब, रोमन साम्राज्य में। सेक्स व्यापक था। एक कहावत है कि अगर एक महिला नियमित रूप से केवल दो पुरुषों को जानती है।

वह बहुत ही गुणी थी। इसलिए, रोम कामुकता से अनजान नहीं था। और यौन अनैतिकता से भी।

और हर तरह की यौन अनैतिकता पर रोक लगाई। लेकिन रोम ने एक काम किया। उन्होंने वैध पत्नी और वैध पति की स्थापना की रक्षा की।

पति हर जगह घूम सकता था और सेक्स कर सकता था। लेकिन कानूनी पत्नी और पति का मुद्दा था। इसे तोड़ा नहीं जा सकता था।

अगर वह जाकर दूसरी वैध पत्नी ले लेता है। तो वह व्यभिचार का दोषी होगा। और उसे आपराधिक न्यायालय में जाना होगा।

फिर भी उसके प्रेमी हर जगह हो सकते हैं। हम इस पर थोड़ी देर बाद किसी और सेटिंग में वापस आएंगे। और इसलिए, हमारे पास यह प्रथा है जो बुतपरस्तों से भी बदतर है।

और यह आपराधिक कानून के योग्य है। और वह भी बिना किसी सीमा के कानून के। तो, यह बहुत गंभीर बात है।

रोमन कानून में, हालांकि, उच्च पद वाले व्यक्तियों को प्राथमिकता दी गई। यहां पर एक मोड़ आता है - उच्च पद वाले व्यक्ति पर मुकदमा चलाने का अधिकार।

रोमन कानून में यह सीमित था। अगर आप गैर-स्थिति वाले व्यक्ति थे तो आप ऐसा नहीं कर सकते थे। आप किसी स्थिति वाले व्यक्ति को अदालत में भी नहीं ले जा सकते थे।

रोमन नागरिकों के पक्ष में कानूनी व्यवस्था के कारण। शहर में जिस व्यक्ति की हैसियत थी, उसे प्राथमिकता दी जाती थी।

और उस रोमन व्यवस्था के भीतर। तो, उसमें से कुछ चल रहा है। विशेष रूप से, हम देखेंगे जब हम अध्याय 6 पर आते हैं, जब व्यभिचार और अनाचार शामिल थे।

समय-सीमा समाप्त हो चुकी थी। रोमन कानून इस प्रतिष्ठित व्यक्ति के पक्ष में था। अनाचार के लिए औपचारिक आरोप की आवश्यकता होती थी।

मुकदमा चलाने के लिए। खास तौर पर किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के खिलाफ। इसलिए, परिणामस्वरूप।

ऐसा क्यों हुआ कि कुरिन्थ? कुरिन्थ के विश्वासियों का समुदाय। वह न केवल इस आदमी से निपटने में विफल रहा था, बल्कि इस बारे में थोड़ा अहंकार भी था। और इसका उत्तर सबसे अधिक संभावना वाला है।

क्योंकि उनके पास एक दर्जा था। और उनकी अपनी सांस्कृतिक सेटिंग में। वे उस दर्जे को विश्वसनीयता दे रहे थे।

रीति-रिवाजों की बजाय उन्होंने जो नया धर्म अपनाया उसे ईसाई धर्म कहा गया।

तो, यह सच है। और यह पाप की समस्या के बारे में एक बहुत बड़ा तथ्य है।

दूसरा, पृष्ठ ६८ पर, पौलुस स्थिति के आलोक में पश्चाताप की कमी पर दुःख प्रकट करता है।

पद 2 से 8 में पौलुस ने कोई भी शब्द नहीं छिपाया है। वह तत्काल और कठोर बहिष्कार का आह्वान करता है।

अपराधी की। उन्हें संबोधित किया जाना चाहिए। वह अपराधी को संबोधित नहीं करता है।

वह चर्च को संबोधित करता है। यह चर्च की जिम्मेदारी है। 5.2 में कोरिंथियन दृष्टिकोण। और आपको गर्व है।

क्या तुम्हें शोक नहीं मनाना चाहिए था? यह अंतिम संस्कार का एक रूपक है।

तुम्हें इस पर गर्व करने के बजाय अंतिम संस्कार कर देना चाहिए। और अपनी संगति से बाहर निकल जाना चाहिए।

जो आदमी ऐसा कर रहा है, अब याद करो। यह सार्वजनिक रूप से पढ़ा गया था।

मैं निश्चित रूप से इसके कुछ वीडियो देखना चाहता हूँ। जब धरती पर मेरा जीवन समाप्त हो जाएगा। मैं वीडियो रूम में जाने की उम्मीद कर रहा हूँ।

और बस इसे पढ़ते हुए देखिए। और देखिए कि कौन सुन रहा है। खैर, यह आदमी गर्वित था।

वे घमंडी और अहंकारी थे। और कौन जानता है कि शायद वह आगे की पंक्ति में बैठा था।

यह दिलचस्प है। मैं, जैसा कि मैं संदिग्ध हूँ, सोचता हूँ कि जिस बुजुर्ग को यह पत्र मिला था, उसे अगले दिन इसे पढ़ना होगा। खैर, कैसे? उसने क्या सोचा? क्या उसने इस आदमी को चेतावनी दी थी, कल वहाँ मत आना? या शायद वह बाड़ के दूसरी तरफ था और उसने कहा, ओह बेटा, मुझे यह पढ़ना है। आप जानते हैं, इस सेटिंग में बहुत सी मानवीय चीजें हो सकती हैं, लेकिन हम अपनी कल्पनाओं को बहुत दूर नहीं जाने दे सकते।

कोरिंथियन रवैया गर्व का था। गारलैंड बताते हैं कि गर्व के लिए शब्द, जिसका अर्थ है, ग्रीक शब्द, फुसियो, का अर्थ है फूला हुआ होना। औपचारिक तुल्यता में इसका अनुवाद गर्व के रूप में किया गया है।

इसका अनुवाद अभिमानी किया गया है, जो कि वही बात है, बस एक ज़्यादा आधुनिक शब्द है। और यह एक कैचवर्ड के रूप में काम करता है क्योंकि इसका उल्लेख न केवल यहाँ 5:2 में है बल्कि यह 4:6, 4.:8, 4:19, 8:1, और 13:4 में भी है। यह पत्र में व्याप्त है। वे बेहद अभिमानी थे क्योंकि वे अपने सामाजिक परिवेश के बारे में ज़्यादा आश्वस्त थे, बजाय परमेश्वर के वचन के।

यह कैचवर्ड शायद कोरिंथियन समस्या की उनकी आलोचना में निरंतरता प्रदान करता है। इसलिए, वे अपने सामाजिक ढाँचों को परमेश्वर की शिक्षा को मात देने की अनुमति दे रहे थे। कुछ अर्थों में, वे इस स्थिति के बारे में शेखी बघार रहे थे।

क्या इस तरह का अहंकार उस व्यक्ति की सामाजिक स्थिति से संबंधित था? वह अपराधी है। आप जानते हैं, जब मैं इस अंश को पढ़ता हूँ, तो मैं अपने मंत्रालय के वर्षों के दौरान कई अवसरों

के बारे में सोचने से खुद को रोक नहीं पाता हूँ जब अमेरिकी चर्च संस्कृति में उच्च उपस्थिति वाले लोगों ने यौन पाप किए हैं। मैं प्रमुख राष्ट्रीय अमेरिकी हस्तियों और उन लोगों के बारे में बात कर रहा हूँ जो शायद विदेशों में भी जाने जाते हैं।

और हमेशा यही स्थिति होती है। वे पकड़े जाते हैं। फिर वे अपना अपराध स्वीकार कर लेते हैं।

फिर, वे पश्चाताप करते हैं। फिर वे अपनी नौकरी वापस चाहते हैं। खैर, मुझे यकीन नहीं है कि पॉल इस तरह से इसे देखेगा।

उन्हें पश्चाताप करना चाहिए। उन्हें अपने समुदाय के प्रति समर्पित होना चाहिए। लेकिन, सच कहूँ तो, मुझे उस तरह के नेतृत्व में वापस जाने का कोई रास्ता नहीं दिखता।

एक बार जब यह स्पष्ट हो जाता है, दफ़न हो जाता है, छिप जाता है, और पकड़े जाने तक कबूल नहीं किया जाता है, तो यौन पाप होता है। वे बाहर हैं। और मेरी राय में, उन्हें बाहर ही रहना चाहिए।

मानव स्वभाव, एक बार जब वह उस परिमाण की नैतिकता का उल्लंघन करता है, तो उसे फिर से ऐसा करने के लिए बहुत लुभाया जाता है। और हमने इसे फिर से करने की घटनाएँ देखी हैं। यह कहना कि वे मंत्रालय में वापस नहीं जा सकते, इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें माफ़ नहीं किया जा सकता।

लेकिन क्षमा किए जाने और चर्च में प्रमुख नेतृत्व की भूमिका के लिए योग्य होने के बीच अंतर है। खैर, मैं कैमरे से बात कर रहा हूँ। और आप मुझसे जितना चाहें उतना बात कर सकते हैं, लेकिन मैं आपकी बात नहीं सुन सकता।

मुझे लगता है कि ऑडियो और वीडियो लेक्चर के कुछ फ़ायदे भी हैं। तो, वहाँ गर्व की भावना थी। वहाँ शोक का अभाव था।

उन्हें अंतिम संस्कार में जाना चाहिए था, न कि इस बारे में अहंकारी होना चाहिए था। इसलिए, पौलुस उनके रवैये के बारे में उन्हें डांटने के बाद अनुशासन की मांग करता है। वह अनुशासन में तीन गुना भागीदारी को दर्शाता है।

पॉल ने इसका उल्लेख किया है, प्रभु मौजूद हैं, और चर्च की जिम्मेदारी है कि वह इसे लागू करे। वह 5:3 और 4 में कहता है, जब तुम इकट्ठे होते हो। इसका मतलब है कि शुरुआती चर्च ने उन संरचनाओं को देखा और समझा जिनका उपयोग उसने व्यापार करने के लिए किया था।

यह चर्च का मामला था। मैं एल्डर्स में बहुत विश्वास करता हूँ, लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि एल्डर्स के नेतृत्व में पूरे चर्च में स्वायत्तता है। हमें सावधान रहने की ज़रूरत है क्योंकि हम एकल पादरी के बजाय एल्डर्स के नेतृत्व के बिंदु को लागू करते हैं, जैसा कि अक्सर यूएसए में सांस्कृतिक रूप से सच होता है।

यह नेतृत्व की बहुलता है, और जब चर्च इकट्ठा होता है तो इस नेतृत्व में एक सामूहिक भावना होती है। प्रभु यीशु मसीह के नाम पर, प्रभु यीशु मसीह की शक्ति में, के जोड़ से पता चलता है कि चर्च केवल पॉल के प्रति नहीं, बल्कि परमेश्वर के प्रति उत्तरदायी है। पाठ की विस्तृत व्याख्या इस अंश में विराम चिह्नों के स्थान के महत्व को दर्शाती है।

5:5 का अनुवाद करना बहुत ही मुश्किल है। आइए इसे एक बार फिर से देखें। श्लोक 4 पर वापस जाएँ। इसलिए, जब आप इकट्ठे हों, 2011 NIV पढ़ रहे हों, और मैं आत्मा में आपके साथ हूँ, और हमारे प्रभु यीशु की शक्ति मौजूद है, तो इस आदमी को शैतान को सौंप दें, ताकि शरीर का नाश हो जाए, ताकि प्रभु के दिन उसकी आत्मा बच जाए।

आपकी शेखी बघारना ठीक नहीं है, जो अगले छोटे पैराग्राफ की शुरुआत है। अब आइए इस बारे में सोचें—विराम चिह्नों के संबंध में विस्तृत व्याख्या।

आधुनिक अनुवादों में लंबे वाक्यों को तोड़ने के लिए पूर्ण विराम, यानी पूर्ण विराम लगाने की प्रवृत्ति होती है। 1 कुरिन्थियों 5, आयत 3 से 5, वास्तव में एक वाक्य है। यह 1901 की ASV जैसी अधिक औपचारिक समकक्ष बाइबलों के मूल्यों में से एक है।

उन्होंने वाक्यों को नहीं तोड़ा। उनके वाक्य बड़े रन-ऑन थे। RSV उन्हें उतना नहीं तोड़ता।

एनआईवी वाक्यों के बीच में ही टूट जाता है, यहाँ तक कि सहभागी खंडों को भी तोड़ देता है। यह चीजों को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ देता है, क्योंकि यह उस संस्कृति के लिए लिख रहा है जो अब पढ़ नहीं सकती, बड़े विचार को बनाए नहीं रख सकती। लेकिन 3 से 5 आयतें 3 से 5 सिर्फ एक वाक्य है, इसलिए इसे विराम चिह्नों के साथ लिखना होगा, वैसे भी अंग्रेजी में।

और क्या होता है? ग्रीक में, व्याकरणिक इकाइयाँ, यानी, वाक्यांश, आश्रित उपवाक्य और पूर्वसर्गीय वाक्यांशों को विभिन्न अनुक्रमों में रखा जा सकता है। अंग्रेजी एक शब्द क्रम भाषा है। शब्द क्रम ही सब कुछ है।

मैं यह नहीं कह सकता कि सब कुछ शब्द क्रम है। मैं कहता हूँ कि शब्द क्रम ही सब कुछ है। मैं यह नहीं कह सकता कि सब कुछ शब्द क्रम है।

मैं उन सभी शब्दों को गड़बड़ नहीं कर सकता। अगर मैं ऐसा करता हूँ तो यह बकवास है। ग्रीक में, इकाइयों को हर जगह रखा जा सकता है।

कभी-कभी, मुख्य क्रिया तीन या चार आयतों में नहीं आती। आपको 1 यूहन्ना की तरह वह मिल गया है जो शुरुआत में था। यह एक सापेक्ष सर्वनाम खंड है।

और मुख्य क्रिया तक पहुँचने से पहले ही आपको उनमें से कई मिल जाते हैं। ग्रीक भाषा इस मायने में अद्भुत है कि यह इकाइयों को जहाँ रखती है, वहाँ जोर दिखा सकती है। समस्या यह है कि यह उन इकाइयों को सभी तरह के स्थानों पर रख सकती है।

परिणामस्वरूप, आपको वाक्य के संदर्भ से निपटना पड़ता है। खैर, अनुवाद आपके लिए यह काम करता है। एक बार फिर, अनुवाद का शिकार न बनें।

अनुवाद के छात्र बनें। अंग्रेजी में निश्चित अनुक्रम की आवश्यकता होती है, जिससे संशोधन स्थान और विराम चिह्नों पर निर्भर होते हैं। लेकिन ग्रीक अंग्रेजी नहीं है और अक्सर संशोधक कहाँ रखे जाते हैं, यह खुला छोड़ देता है।

इसलिए, अनुवाद के लिए व्याख्या की आवश्यकता होती है। अनुवाद के लिए व्याख्या की आवश्यकता होती है। इसका एक उदाहरण इस पूर्वसर्ग वाक्यांश में है, in, जो कि, in, निश्चित रूप से, हमारे प्रभु यीशु के नाम पर 5.4 में पूर्वसर्ग है। अब, मैंने आपको पृष्ठ 69 के शीर्ष पर एक चार्ट दिया है।

और यह चार्ट मेरे द्वारा चुने गए चार संस्करणों का उपयोग करता है। और याद रखें, यहाँ NIV 58 या 60 के दशक का NIV है। और 2011, मुझे वास्तव में इसे इसमें शामिल करने की आवश्यकता है।

मुझे लगता है कि मुझे अपना कॉलम आगे बढ़ाना चाहिए क्योंकि यह देखना दिलचस्प है कि 2011 ने पिछले NIV को कितना बदल दिया। और मुझे लगता है कि इसने 90 प्रतिशत में बेहतर तरीके से बदलाव किया है। तो, किंग जेम्स, ध्यान दें कि यह क्या करता है।

मोटे वाक्य में, हमारे प्रभु यीशु के नाम पर, देखिए, इसके पहले और बाद में अल्पविराम लगा है। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि वे गैर-प्रतिबद्ध थे। उन्होंने इसे पहले नहीं जोड़ा था।

उन्होंने इसे बाद में संलग्न नहीं किया। उन्होंने इसे बंद कर दिया। इसलिए, पाठक को निर्णय लेना होगा।

इसलिए, हालाँकि मैं उस व्यक्ति के बारे में मौजूद था जिसने यह काम किया है, उसने यह काम प्रभु यीशु के नाम पर किया है। क्या उस व्यक्ति ने यह काम यीशु के नाम पर किया? क्या वह इतना घमंडी था? या प्रभु यीशु के नाम पर, जब आप एक साथ इकट्ठे होते हैं, तो क्या यह वहाँ जाता है? आप इसे कहाँ रखने जा रहे हैं? पूर्वसर्गीय वाक्यांश हमेशा क्रियाविशेषण होते हैं। उन्हें कुछ संशोधित करना होता है।

वे इस तरह के निर्देश में खुद पर खड़े नहीं होते। केजेवी गैर-प्रतिबद्ध था। और अगर आप एक अच्छे पाठक हैं, तो आप यह सवाल पूछने जा रहे हैं।

या फिर आप सिर्फ पढ़कर सतही धारणाएँ बना लेंगे, जो कि आम तौर पर लोग करते हैं - NRSV. ध्यान दें कि शुरुआत के बाद एक अर्धविराम है, जैसे कि अगर मैं मौजूद होता, तो जैसे कि मैं मौजूद होता, मैंने पहले ही प्रभु यीशु के नाम पर निर्णय सुना दिया है।

अब ध्यान दें कि यह पॉल के निर्णय सुनाने से जुड़ा हुआ है। उसने अभी तक KJV में इसका उल्लेख नहीं किया था। ध्यान दें कि NRSV, KJV से कितना लंबा है।

यहाँ बहुत सी बातें जोड़ी गई हैं। यदि आप चाहें तो NRSV कार्यात्मक रूप से पाठक की मदद करने का प्रयास कर रहा है। लेकिन अब, प्रभु के नाम पर, यीशु न्याय सुनाने से जुड़ा हुआ है।

सभा में नहीं। एन.आई.वी., आरंभिक एन.आई.वी., मूल, लगभग छः पंक्तियों में नीचे चला गया जब आप प्रभु यीशु के नाम पर इकट्ठे हुए थे।

खैर, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि वे इसे कहाँ ले जा रहे हैं। एकत्रित होना। वे इसे प्रभु के नाम पर एकत्रित होने के रूप में लेते हैं।

2011 ऐसा नहीं करता। सुनिए 2011 5:4 में क्या करता है। इसलिए, जब आप इकट्ठे होते हैं, तो मैं, यानी पॉल, आत्मा में आपके साथ होता हूँ। और प्रभु यीशु की शक्ति मौजूद होती है।

यह इसे थोड़ा अलग करता है, और यह समुदाय को देखता है, कि जब समुदाय मिलता है, तो यीशु वहाँ होता है। और इसलिए, एनआईवी उस तक पहुँच रहा है। 2011 इसे थोड़ा और अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त करता है।

जब दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं, तो मैं उनके बीच में होता हूँ। यह वहाँ जो हुआ उसका एक उदाहरण हो सकता है। अनुवाद।

न्यू लिविंग ट्रांसलेशन। मैंने पहले ही प्रभु यीशु के नाम पर निर्णय पारित कर दिया है। अब, इसे वापस ले लिया गया है और पॉल के निर्णय पारित करने और उस निर्णय के भाग के रूप में प्रभु यीशु के नाम के दावे से जोड़ा गया है।

उस अधिकार का दावा करना। तो, ये वाक्यांश हर जगह हैं। उदाहरण के लिए, किंग जेम्स संस्करण में, यह वाक्यांश उसके पहले या बाद में आने वाली बातों के साथ जाता है।

खैर, तर्क का पालन करना होगा क्योंकि यह होगा, यह इस आदमी के लिए हास्यास्पद लगेगा कि वह कहे, मैं यह प्रभु के नाम पर कर रहा हूँ, भले ही इसके बारे में एक दृष्टिकोण हो। NRSV, पॉल, ने पहले ही प्रभु यीशु के नाम पर निर्णय ले लिया है। NIV प्रभु यीशु के नाम पर इकट्ठा हुआ।

न्यू लिविंग ट्रांसलेशन, पॉल ने प्रभु यीशु के नाम पर ऐसा किया। और इसलिए यह आपके सामने है। हम अंग्रेजी अनुवादों को देखने के लिए वापस आ गए हैं जो व्याख्या कर रहे हैं।

यह कुछ मायनों में बहुत बड़ा हो सकता है। मेरा मतलब है, यह धर्मशास्त्र के बारे में दिन का अंत नहीं हो सकता है, लेकिन साथ ही, यह एक बहुत ही दिलचस्प सवाल है। क्या अनुवाद से कोई फर्क पड़ता है? आप क्या पढ़ रहे हैं? मेरा मतलब है, यह मेरे लिए एक तरह से थोड़ा तनावपूर्ण है क्योंकि मेरे पास यहाँ कुछ बाइबलें हैं और मेरे पास ग्रीक न्यू टेस्टामेंट है और मैं आपसे अंग्रेजी व्याख्यान जैसी स्थिति में बात करने की कोशिश कर रहा हूँ, और फिर भी मेरे पास उस भाषा के संदर्भ में कई संस्करण हो सकते हैं।

तो, हम इससे सीखते हैं। यदि आप व्याख्या के संदर्भ में एन के विभिन्न रूपों को देखें, तो वे यहाँ आते हैं। एक दृष्टिकोण से, ए, एन जननात्मक निरपेक्ष के साथ जाता है, जब आप नाम में इकट्ठे होते हैं।

या बी, इकट्ठे के साथ लेकिन प्रभु यीशु के नाम पर उद्धार करने की शक्ति का अर्थ है। सी इकट्ठे के साथ जाता है, वह क्रिया देखें, लेकिन प्रभु यीशु के नाम पर शक्ति के साथ जुड़ा हुआ है, शक्ति के साथ उद्धार करना। डी, एन को सौंपना या वितरित करना, प्रभु यीशु के नाम पर वितरित करना संशोधित करता है।

ई, एन 5, 4, और 5 के शेष खंडों को नियंत्रित करता है, पूरी बात यीशु के नाम पर की जाती है। या एफ, एन संशोधित करता है कि मैंने पहले ही प्रभु यीशु के नाम पर निर्णय लिया है। इसलिए जहाँ तक साहित्य का सवाल है, हमारे पास यहाँ लगभग छह भिन्नताएँ हैं, कमोबेश इस बारे में कि प्रभु यीशु के नाम पर इस छाप को कैसे स्पष्ट किया जाए, यह अधिकार का एक बयान है, यह अधिकार का दावा है।

आप इसे कहाँ जोड़ते हैं? थिसलटन, अपनी टिप्पणी में, यह टिप्पणी करते हैं, उद्धार देते हैं, जैसे कि श्लोक 3 से 5 में एकल जटिल वाक्य की लंबाई। जटिल नकारात्मक लगता है; थिसलटन एक नकारात्मक व्यक्ति नहीं है, लेकिन आइए हम श्लोक 3 से 5 में इस ग्रीक जटिल वाक्य में कहें कि एक दृष्टिकोण को दूसरे पर बहस करना मुश्किल है। हालाँकि, इस चेतावनी के साथ, हमने निष्कर्ष निकाला कि ई, यानी एन सभी खंडों को नियंत्रित करता है, भाषण अधिनियम के रूप में इसकी स्थिति के आधार पर इसकी सराहना करने के लिए सबसे अधिक है। जबकि सी, यानी शक्ति से जुड़ा एक प्रतीक, गंभीरता से संभव के रूप में विश्वसनीय बना हुआ है।

और F को छोड़कर किसी भी विकल्प को निश्चितता के साथ बाहर नहीं किया जा सकता है। F संशोधित करता है मैंने पहले ही निर्णय ले लिया है, पॉल ने पहले ही निर्णय ले लिया है। मुझे नहीं पता कि आपने इस पर गौर किया या नहीं, लेकिन NRSV और NLT ने F को चुना, और थीसलटन का कहना है कि शायद यही एकमात्र विकल्प है जो एक अच्छा विचार नहीं है। क्या आपको विद्वत्ता पसंद नहीं है? और आप कहेंगे, मेरे हाथ ऊपर करो। मैं क्या करने जा रहा हूँ? ठीक है, आप अध्ययन करने जा रहे हैं, आप विविधता से निपटने जा रहे हैं, आप कुछ निर्णय लेने जा रहे हैं, आप विनम्र होने जा रहे हैं, और आप आगे बढ़ने जा रहे हैं और अपना जीवन जीने जा रहे हैं।

इस पूर्वसर्ग वाक्यांश के बारे में एक और दृष्टिकोण भी है। गारलैंड इसे स्वीकार न करते हुए भी इसकी ओर इशारा करते हैं। उनका कहना है कि यह स्वीकार्यता प्राप्त हो रही है कि N आदमी के कार्यों को संशोधित करता है।

जिसने प्रभु यीशु के नाम पर ऐसा किया। अब, हम शायद पहले तो इस पर हंसें, लेकिन विंटर के रोमन कोरिंथ और स्थिति और लाभार्थियों और उन लोगों के विश्लेषण को पढ़ने के बाद हम उतना नहीं हंसेंगे जो अपनी स्वतंत्रता के बारे में घमंडी थे। हो सकता है कि यह आदमी बाइबिल की नैतिकता से इतना दूर था, और शायद वह बाइबिल की कहानी नहीं जानता था।

शायद उसे पुराने नियम की कोई जानकारी नहीं थी क्योंकि वह यहूदी नहीं था, और नया नियम भी उतना पुराना नहीं था जितना लिखा गया था, और वह इसे पर्याप्त रूप से आत्मसात नहीं कर पाया था। वह अपने अतीत से लगभग शून्य में काम कर रहा था, और फिर भी वह एक नया ईसाई है। वह कहता है, ठीक है, मैं एक ईसाई हूँ।

मैं जो चाहूँ कर सकता हूँ, और मैं अपनी सास से शादी करना चाहता हूँ। माफ़ करना, मेरी सौतेली माँ, और मैं यह यीशु के नाम पर करने जा रहा हूँ। यीशु ने मुझे आज़ादी दी है। खैर, हम इसे बहुत अजीब मान सकते हैं, लेकिन उस संस्कृति में यह उतना अजीब नहीं रहा होगा क्योंकि लोगों ने अभी तक ईसाई नैतिकता की एबीसी भी नहीं सीखी थी, और काफी स्पष्ट रूप से कहें तो, कुछ ईसाई सेटिंग्स में, यहाँ तक कि अमेरिका में भी समय-समय पर, आपको ऐसे लोग मिल जाते हैं जो बहुत ही घमंडी होते हैं।

यह असंभव लगता है, लेकिन यह उस संस्कृति के प्रकाश में चौंकाने वाला सच हो सकता है जिससे हम निपट रहे हैं और जिन ईसाइयों से हम निपट रहे हैं। यह ग्रीक भाषा के वाक्यांशों के प्राकृतिक क्रम को बनाए रखता है, लेकिन हम जानते हैं कि हमें उस क्रम को बनाए रखने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि प्रत्येक इकाई एक अन्य इकाई से जुड़ी हुई है, और वह इकाई निकटतम इकाई नहीं हो सकती है। गारलैंड खुद इस दृष्टिकोण को अस्वीकार करते हैं, लेकिन यह विचार कि यह आदमी एक नई विचारधारा, एक नए धर्मशास्त्र का दावा करने में साहसी था।

मेरी ओर देखो, मैं कितना स्वतंत्र हूँ। याद रखो, वह ऐसा सिर्फ़ पॉल के सामने ही नहीं कर रहा है, वह अपनी संस्कृति के सामने भी ऐसा कर रहा है। एक नया धर्मशास्त्र, एक विचारधारा, आम होती जा रही है।

रोमन अभिजात्यवाद के प्रकाश में इस पाठ का पुनर्निर्माण इस तरह के साहसिक दावे को संभव बनाता है, लेकिन यह किसी भी तरह से एक लोकप्रिय दृष्टिकोण नहीं बन पाया है। खैर, मैं 5.5 पर आ गया हूँ, जिसमें समस्याओं का एक पूरा सेट है। हम इस आदमी को शैतान को देने जा रहे हैं।

दुनिया में इसका क्या मतलब है? खैर, मैं देख सकता हूँ कि मेरा व्याख्यान लगभग 50 मिनट का है, और जबकि मैं इस पूरे अध्याय 5 को एक व्याख्यान में पूरा करना चाहता था, मैं आपको बहुत ज़्यादा समय देकर परेशान नहीं करने जा रहा हूँ। मैं एक घंटे के भीतर रहने की कोशिश कर रहा हूँ, और इस अवसर पर यह थोड़ा कम होने वाला है। इसलिए, हम अगले व्याख्यान में पृष्ठ 70 पर वापस आएँगे और इस पापी व्यक्ति, इस अभिमानी व्यक्ति को शैतान को सौंपने के बारे में बात करेंगे जिसने अनाचार का यह कृत्य किया है, और चर्चा करेंगे कि इसका क्या मतलब है।

इस बीच आप नोट्स पढ़ सकते हैं, साथ ही कमेंट्री भी पढ़ सकते हैं, और मेरे बोलने से पहले ही उन सभी सवालों के जवाब दे सकते हैं। हो सकता है कि अगली बार मैं सिर्फ़ एक मौन घंटा रखूँ, और आप इसका आनंद ले सकें। खैर, वैसे भी, आपके साथ होना अच्छा है, और हम आपको अगले व्याख्यान में देखेंगे।

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दिया गया उपदेश है। यह व्याख्यान 14 है, कुछ मौखिक रिपोर्टों/अफवाहों पर पॉल की प्रतिक्रिया, 1 कुरिन्थियों 5:1-6:20।